Shri Yadagiri Lakshminrisimha Mangalashasanam

श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनम्

Document Information

Text title : yAdagiri lakShmInRisi.nha ma.ngalAshAsanam

File name : yAdagirilaxminRisimhamangala.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, stotra, vAngIpuram-narasinhAchArya, vishnu, mangala

Location : doc_vishhnu

Author : vA.ngIpuram narasi.nhAchArya

Transliterated by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com

Proofread by : Venkata N Vangeepuram vangeepuram at rediffmail.com Great grandson of the composer

Latest update : December 15, 2004

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

February 2, 2024

sanskritdocuments.org

Shri Yadagiri Lakshminrisimha Mangalashasanam

श्रीयादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनम्

श्री यादगिरि शृङ्गाग्र गुहामध्य विहारिणे
सर्वलोकेश्वरायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ १ ॥

वामाङ्क विलसल्लक्ष्मीबन्धवे लोकबन्धवे
सूरिभोग्याय यादाद्रि श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ २ ॥

शङ्ख चक्र प्रभामध्य राजद्विमलमूर्तये
श्री यादगिरिवासाय श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ३ ॥

गुहानिवसनात्सर्व हृद्गुहावास सूचनम्
कुर्वते सर्वलोकानाम् यादाद्रीशाय मङ्गलम् ॥ ४ ॥

नित्याय निरवद्याय नित्यवैभवशालिने
नित्यवैभव दात्रेच श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ५ ॥

साधुलोक शरण्याय कामितार्त प्रदायिने
आर्तार्ति हरणायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ६ ॥

भुक्तिमुक्ति प्रदात्रेच शक्ति भक्ति प्रदायिने
निर्वाण सुखरूपाय श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ७ ॥

जगत्कर्त्रे जगत्भोक्ते जगद्रूपाय वेदसे
जगताञ्च निवासाय यादाद्रीशाय मङ्गलम् ॥ ८ ॥

अनेक कोटि ब्रह्माण्डैऽः कन्दुका क्रीडलीलया
केलीविलासलोलाय श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ ९ ॥

सुरासुर नरानाम् च वानरानाम् च पक्षिनाम्
दीनानाम् रक्षकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ १० ॥

दुश्टानाम् निग्रहम् चैव शिष्टानाम् परिपालनम्
युगपत् कुर्वते लक्ष्मीनरसिंहाय मङ्गलम् ॥ ११ ॥

प्रपञ्च वृक्षबीजाय निष्प्रपञ्चाय मायिने
मायापनोदकायास्तु श्री नृसिंहाय मङ्गलम् ॥ १२॥

सन्तान दान दीक्षाय सन्तानाय फलार्तिनाम्
कौसल्या मुख्य सन्तानरूपिणे शुभमङ्गलम् ॥ १३॥

मङ्गलम् नरसिंहाय मङ्गलम् गुणसिन्धवे
मङ्गलानाम् निवासाय यादाद्रीशाय मङ्गलम् ॥ १४॥

॥ इति श्री वाङ्गीपुरम् नरसिंहाचार्य विरचितं
श्री यादगिरि लक्ष्मीनृसिंह मङ्गलाशासनं समाप्तम् ॥

Encoded and proofread by Venkata N Vangeepuram
vangeepuram@rediffmail.com

Shri Yadagiri Lakshminrisimha Mangalashasanam
pdf was typeset on February 2, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*